आजादी को बनाये रखने सजग पत्रकारिता जरूरी: श्री सचदेव

मुंबई। लंबे संघर्ष के बाद देश को मिली आजादी को बनाये रखने के लिए भी पत्रकारिता जरूरी है। आज पत्रकारिता पर बाजार का असर है। पर पत्रकारिता के लिए विश्वसनीयता सबसे महत्वपूर्ण। खासकर प्रिंट पत्रकारिता के लिए तो यह बेहद जरूरी है। आज दर्शक-पाठक के मन मे यह संशय रहता है कि जो देख/पढ़ रहे हैं, उस पर विश्वास कर या न करे। पाठको- दर्शकों का इस स्थिति में पहुचना दुखद है। यह बात वरिष्ठ पत्रकार-स्तंभकार विश्वनाथ सचदेव ने कही। श्री सचदेव सामाजिक-सांस्कृतिक संस्था तरण कला संगम द्वारा आयोजित पत्रकारिता सम्मान समारोह में बोल रहे थे। यह संस्था पिछले 40 वर्षो से पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले पत्रकारों को सम्मानित करती है। इस वर्ष का तरुण कला संगम पत्रकारिता पुरस्कार टीवी 18 की युवा पत्रकार-एंकर प्रीति रघुनंदन को प्रदान किया गया। उन्हें पुरस्कार स्वरूप स्मृति चिन्ह व 51 हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री सचदेव ने कहा कि आज पत्रकारिता एक पेशा बन चुकी है, पर यह विशिष्ट पेशा है। इस लिए हमे इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि विश्वसनीय का संकट पैदा न हो। उन्होंने कहा कि एक अच्छे समाज के निर्माण के लिए पत्रकारो को महत्वपूर्ण योगदान देना है। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एएन त्रिपाठी ने कहा कि पुरस्कार हमें अच्छा करने के लिए उत्साहित करते हैं। उन्होंने कहा कि आज देश मे सबके हाथ मे चरखा हो जाये तो सभी समस्याओं का समाधान हो जाएगा। श्री त्रिपाठी ने कहा कि महिला व बाल कल्याण विभाग की जिम्मेदारी संभालने के दौरान मैंने एक सर्वे कराया था जिससे पता चला था कि 60 फीसदी घरेलू हिंसा शराब की वजह से होती है। इस लिए कोशिश करनी चाहिये कि व्यसन मुक्त, डॉक्टर मुक्त और न्यायालय मुक्त समाज बने। हमे राजनीति की बजाय लोकनीति की बात करनी चाहिए। क्योकि राजनीति में सच नही होता।

तरुण कला संगम के अध्यक्ष चित्रसेन सिंह ने कहा कि समाज द्वारा साहित्य, कला व पत्रकारिता का संरक्षण जरूरी है। उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा गत 40 वर्षों से पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय हस्तियों को सम्मानित कर हमें गर्व होता है। वरिष्ठ पत्रकार शेष नारायण सिंह ने कहा कि प्रिंट के साथ टीवी पत्रकारिता का भी अपना महत्व है। प्रीति रघुनंदन जैसी युवा पत्रकार इस क्षेत्र में अच्छा काम कर रही हैं। ऐसे लोगों को प्रोत्साहित करना जरूरी।

समारोह की सम्मानमूर्ति दिल्ली से आई टीवी पत्रकार प्रीति रघुनंदन ने कहा कि न्यूज़ चैनलों पर होने

वाली डिबेट पर एक निश्चित एजेंडा चलाने के आरोप सही नहीं। हम इस बात का पूरा ख्याल रखते हैं कि हमारी निष्पक्षता प्रभावित न हो। जबकि वरिष्ठ पत्रकार ओमप्रकाश तिवारी ने कहा कि हर शाम न्यूज़ चैनलों पर होने वाले भड़काऊ डिबेट प्रोग्राम से देश का माहौल खराब हो रहा। खबरिया चैनलों को इससे बचने की जरूरत है।

वरिष्ठ पत्रकार श्री शचिन्द्र त्रिपाठी ने संस्था के अध्यक्ष श्री सिंह की तारीफ करते हुए कहा कि 40 साल एक लंबी अवधि होती है। इतने लंबे समय से साहित्य-पत्रकारिता की सेवा प्रशंसनीय है। भाजपा विधायक मंगलप्रभात लोढ़ा ने कहा कि यह पुरस्कार युवा पत्रकार को और अच्छा करने की प्रेरणा देगा। वरिष्ठ पत्रकार ब्रजमोहन पांडेय ने कहा कि पत्रकारिता तेजी से बदल रही है। इस बदलाव के साथ हमे कदमताल करनी होगी। संस्था के महासचिव दीपक सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन हास्य कवि सुरेश मिश्र ने किया। इस मौके पर मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष संजय निरुपम, पत्रकार राजकुमार सिंह, विजय सिंह कौशिक, आरपी सिंह,अवध नारायण सिंह, छोटे लाल सिंह,चंदन राय, राम नवल सिंह, मनीष सिंह, एडवोकेट तीर्थराज सिंह आदि मौजूद रहे।